

मानचित्र पुं. (तत्.) किसी चिपटे तल पर किया हुआ रेखाओं का ऐसा अंकन जिसमें किसी भू-भाग की नदियों, पहाड़ों, नगरों आदि के स्थान, विस्तार आदि दिखाये गये हों, किसी स्थान का बना हुआ नक्शा।

मान-चित्रण पुं. (तत्.) मानचित्र अर्थात् नक्शे बनाने की कला या विद्या।

मानचित्रांकन पुं. (तत्.) मानचित्र बनाने और रेखाचित्र अंकित करने की कला या विद्या।

मानचित्रावली स्त्री. (तत्.) पृथ्वी, भूखंडों, देशों, प्रांतों आदि के भौगोलिक चित्रों का पुस्तकाकार समूह, मानचित्रों का संकलन या संग्रह।

मानज पुं. (तत्.) क्रोध वि. मान से उत्पन्न।

मानतरु पुं. (तत्.) खेतपापड़ा।

मानता स्त्री. (देश.) मनौती

मान-दंड पुं. (तत्.) 1. मान नापने का कोई उपकरण 2. लाक्षणिक रूप में कोई कल्पित परिमाण जिससे दूसरी बातों का महत्व या मूल्य आंका जाता हो।

मानद पुं. (तत्.) विष्णु वि. मान या प्रतिष्ठा देने या बढ़ाने वाला।

मान-देय पुं. (तद्.) किसी काम या सेवा के बदले में आदरपूर्वक दिया जाने वाला धन।

मान-धन पुं. (तत्.) 1. वह जो अपने मान या प्रतिष्ठा को सबसे अधिक मूल्यवान समझता हो, आत्म-सम्मान का ध्यान रखने वाला 2. अभिमानी, घमंडी।

मानधाता पुं. (तद्.) एक सूर्यवंशी राजा मांधाता।

मानना अ.क्रि. (तत्.) 1. मन से यह समझ लेना कि जो कुछ कहा या किया गया है, अथवा जो कुछ प्रस्तुत है वह उचित है, ठीक समझकर अंगीकृत या गृहीत करना 2. मन में किसी प्रकार की धारण या विचार स्थिर करना 3. किसी प्रकार की आज्ञा, आदेश, विधान आदि को ठीक समझकर उसके अनुकूल आचरण या व्यवहार

करना 4. किसी काम, बात या विषय के संबंध में तर्क के निर्वाह के लिए कुछ समय के लिए वस्तु-स्थिति के विपरीत कामना करना 5. किसी को पूज्य या श्रेष्ठ समझकर उसके प्रति मन में आदर, श्रद्धा या विश्वास रखना 6. मनौती या मन्नत के रूप में प्रतिज्ञा या संकल्प करना 7. शृंगारिक क्षेत्र में, किसी के प्रति यथेष्ट अनुराग या प्रेम रखना, किसी पर आसक्त होना 8. किसी बात या स्थिति को अपने लिए अनुकूल, ठीक या हितकर समझते हुए शांति और सुखपूर्वक रहना।

माननीय वि. (तत्.) जिसका मान-सम्मान करना आवश्यक तथा उचित हो, आदरणीय पुं. बड़े लोगों के नाम या पद के पहले उपाधि के रूप में प्रयुक्त पद जैसे- माननीय न्यायाधीश महोदय।

मानपत्र पुं. (तत्.) वह पत्र जो किसी का आदर या सम्मान करने के लिए उसे भेंट किया जाता है और जिसमें उसके सत्कार्यों, सद्गुणों आदि की स्तुति रहती है, अभिनंदन-पत्र।

मन-परेखा पुं. (देश.) 1. मन में होने वाला मान-अपमान आदि का विचार और अपमान के कारण होने वाला क्षोभ 2. आशा, भरोसा।

मान-भाव पुं. (तत्.) 1. वह अवस्था जिसमें कोई मान करके या रुठकर बैठा हो 2. चोचला, नखरा।

मान-मंदिर पुं. (तत्.) वह स्थान जिसमें ग्रहों आदि का वेध करने के यंत्र तथा सामग्री हो, वेधशाला टि. जयपुर के महाराज मानसिंह ने काशी, दिल्ली, उज्जैन आदि में अपने नाम पर कुछ वेधशालाएँ बनवाई थी, उन्हीं के आधार पर अब वेधशाला मात्र को (मान-मंदिर) कहले लगे हैं।

मान-मनौअल स्त्री. (तत्.) रुठकर बैठने वाले या रुठे हुए को मनाने की क्रिया या भाव।

मान-मनौती स्त्री. (देश.) 1. मानता, मनौती 2. पारस्परिक प्रेमपूर्ण संबंध।

मान-मरोर स्त्री. (तत्.) मन-मुटाव।